Phoolon Se Saja Do Gokul Ko Lyrics in Hindi and English

Phoolon Se Saja Do Gokul Ko Lyrics in Hindi

फूलों से, सजा दो, गोकुल को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ॥
मेरा, लल्ला, आने वाला है*,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ।
फूलों से, सजा दो, गोकुल को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ॥

कोई, काज़ल, की डिबिया, ले आओ,
कोई, काला, धागा ले आओ ॥
कहीं, नजर ना, लग जाए, कान्हा को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ।
फूलों से, सजा दो, गोकुल को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ॥

कोई, सोने का, पालना, ले आओ,
कोई, मखमल की, चादर, ले आओ ॥
कोई, झूला, लगा दो, आंगन में,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ।
फूलों से, सजा दो, गोकुल को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ॥

कोई, चांदी का, लोटा, ले आओ,
कोई, सोने की, थाली, ले आओ ॥
ज़रा, चरण, धुला दो, लल्ला के,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ।
फूलों से, सजा दो, गोकुल को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ॥

कोई, माखन, मिश्री, ले आओ,

कोई, लड्डू, पेड़े, ले आओ ॥
ज़रा, भोग, लगा दो, लल्ला को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ।
फूलों से, सजा दो, गोकुल को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ॥

कोई, ढोल, नगाड़े, बजाओ रे,
कोई, मंगल, गाने, गाओ रे ॥
कोई, कान्हा की, जय जयकार करो,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ।
फूलों से, सजा दो, गोकुल को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ॥

कोई, नंद, महल को, सजायो रे,
कोई, घी के, दीए, जलायो रे ॥
सब, मिल के, खुशियाँ, मनाओ रे,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ।
फूलों से, सजा दो, गोकुल को,
मेरा, लल्ला, आने वाला है ॥

Phoolon Se Saja Do Gokul Ko Lyrics in English

Phoolon se, saja do, Gokul ko,
Mera, Lalla, aane wala hai ll
Mera, Lalla, aane wala hai,
Mera, Lalla, aane wala hai l
Phoolon se, saja do, Gokul ko,
Mera, Lalla, aane wala hai ll

Koi, kaajal, ki dibiya, le aao,
Koi, kaala, dhaaga le aao ll
Kahin, nazar na, lag jaaye, Kanha ko,
Mera, Lalla, aane wala hai l
Phoolon se, saja do, Gokul ko,
Mera, Lalla, aane wala hai ll

Koi, sone ka, palna, le aao,

Koi, makhmal ki, chaadar, le aao ll
Koi, jhoola, laga do, aangan mein,
Mera, Lalla, aane wala hai l
Phoolon se, saja do, Gokul ko,
Mera, Lalla, aane wala hai ll

Koi, chaandi ka, lota, le aao,
Koi, sone ki, thaali, le aao ll
Zara, charan, dhula do, Lalla ke,
Mera, Lalla, aane wala hai l
Phoolon se, saja do, Gokul ko,
Mera, Lalla, aane wala hai ll

Koi, makkhan, mishri, le aao,
Koi, laddoo, pede, le aao ll
Zara, bhog, laga do, Lalla ko,
Mera, Lalla, aane wala hai l
Phoolon se, saja do, Gokul ko,
Mera, Lalla, aane wala hai ll

Koi, dhol, nagade, bajao re,
Koi, mangal, gaane, gao re ll
Koi, Kanha ki, Jai Jai Kaar karo,
Mera, Lalla, aane wala hai l
Phoolon se, saja do, Gokul ko,
Mera, Lalla, aane wala hai ll

Koi, Nand, mahal ko, sajayo re,
Koi, ghee ke, diye, jalayo re ll
Sab, mil ke, khushiyan, manao re,
Mera, Lalla, aane wala hai l
Phoolon se, saja do, Gokul ko,
Mera, Lalla, aane wala hai ll

About Phoolon Se Saja Do Gokul Ko Bhajan in English

“Phoolon Se Saja Do Gokul Ko” is a joyful and devotional bhajan that celebrates the divine arrival of Lord Krishna, symbolized here as “Lalla,” in

the town of Gokul. The song expresses the excitement, love, and devotion of the people of Gokul as they prepare to welcome the young Krishna into their hearts and homes. It is a celebration of the Lord's divine presence, his playful nature, and his ability to bring joy and love into the lives of his devotees.

Key Themes of the Bhajan:
Anticipation of Lord Krishna's Arrival
The bhajan begins with the enthusiastic preparation for Lord Krishna's arrival in Gokul. The lyrics "Mera, Lalla, aane wala hai" convey the sense of excitement and longing to welcome Lord Krishna. The devotees are eagerly awaiting his divine presence, making the entire town of Gokul ready to receive him with love and devotion.

Divine Preparations for Krishna's Welcome
As the people of Gokul prepare for Krishna's arrival, they are shown decorating the town with flowers and setting up various offerings. The bhajan mentions bringing items like "kaajal ki dibiya" (a container of kajal), "sone ka palna" (a golden cradle), and "makhan mishri" (butter and sugar), signifying the special preparations made for the Lord's visit. Each preparation reflects the love and reverence the people have for Lord Krishna.

The Lord's Protection and Blessings
There is a desire to protect Lord Krishna from any negative influence, as seen in the line "Kahin nazar na lag jaye Kanha ko." This reflects the deep care and affection the devotees have for Krishna, wanting to ensure that he remains safe and happy in their midst. It shows the Lord as not only a playful child but also as someone who is loved and safeguarded by his devotees.

Celebrating Krishna's Playful Nature
The bhajan highlights Krishna's joyful and playful nature. The reference to items like "jhoola" (swing) and "bhog" (offerings of sweets) conveys the lighthearted, loving environment in Gokul. It paints a picture of how the people of Gokul want to make Krishna feel at home and happy, offering him the best of everything, from food to fun.

Community Celebration and Devotion
The bhajan also emphasizes the communal aspect of Krishna's arrival. It describes how the people of Gokul come together to celebrate with music, dance, and prayers. The line "Koi dhol nagade bajao re, koi mangal gaane gao re" calls for the playing of drums and the singing of joyous songs, showing the collective devotion and excitement of the community as they celebrate Lord Krishna's arrival.

Key Message:
"Phoolon Se Saja Do Gokul Ko" is a vibrant and devotional celebration of Lord Krishna's arrival in Gokul. The bhajan conveys the excitement, love, and deep devotion of the people of Gokul as they prepare to welcome Krishna into their hearts. It highlights the purity of their devotion and the joy that Lord Krishna's presence brings into their lives.

The bhajan is not only a celebration of the divine arrival but also a reminder of the love and reverence that Lord Krishna's devotees feel for him. It encourages listeners to connect with the joy and love of the divine, and to celebrate life with the same enthusiasm and devotion as the people of Gokul.

This bhajan beautifully captures the spirit of devotion and community celebration, urging everyone to prepare their hearts and lives to welcome the divine presence into their own lives, just as Gokul did for Lord Krishna.

About Phoolon Se Saja Do Gokul Ko Bhajan in Hindi

"फूलों से सजा दो गोकुल को" भजन के बारे में

"फूलों से सजा दो गोकुल को" एक बहुत ही आनंदपूर्ण और भक्ति से भरा भजन है, जो भगवान श्री कृष्ण के गोकुल में आगमन की खुशी और भक्तों की प्रेममयी तैयारी को व्यक्त करता है। इस भजन में गोकुलवासियों की खुशी और भगवान कृष्ण के प्रति गहरी श्रद्धा का अहसास होता है, क्योंकि वे अपने प्यारे लल्ला (कृष्ण) के स्वागत के लिए गोकुल को सजाने की तैयारी कर रहे हैं। यह भजन भगवान कृष्ण की दिव्य उपस्थिति, उनकी लीलाओं और भक्तों के जीवन में प्रेम और आनंद लाने के संदेश को प्रस्तुत करता है।

भजन के प्रमुख विषय :
भगवान कृष्ण के आगमन की प्रतीक्षा

भजन की शुरुआत भगवान कृष्ण के गोकुल में आगमन की खुशी और उत्साह से होती है। "मेरा लल्ला आने वाला है" का भाव है कि भक्तों का दिल भगवान श्री कृष्ण के स्वागत के लिए बेताब है। वे अपनी पूरी श्रद्धा और प्रेम के साथ भगवान कृष्ण के आगमन की तैयारी कर रहे हैं, और गोकुल को एक पवित्र और प्रेमपूर्ण वातावरण में बदलने के लिए सजाने लगे हैं।

भगवान कृष्ण के स्वागत के लिए विशेष तैयारियाँ
भजन में गोकुलवासियों द्वारा भगवान कृष्ण के स्वागत के लिए की जा रही विभिन्न तैयारियों का वर्णन है। "काजल की डिबिया ले आओ", "सोनें का पालना ले आओ", "झूला लगा दो" जैसी पंक्तियाँ यह दर्शाती हैं कि भगवान कृष्ण के स्वागत के लिए भक्तों ने विशेष रूप से पवित्र और प्रेम से भरे उपहार तैयार किए हैं। ये तैयारियाँ भगवान कृष्ण के प्रति भक्तों की अपार श्रद्धा और प्रेम का प्रतीक हैं।

भगवान कृष्ण की सुरक्षा और आशीर्वाद
"कहीं नजर ना लग जाए कान्हा को" पंक्ति में भगवान कृष्ण की सुरक्षा की इच्छा व्यक्त की गई है। भक्त चाहते हैं कि उनके प्यारे लल्ला को कोई बुरी नजर न लगे, और वे अपनी श्रद्धा और भक्ति से भगवान कृष्ण की शांति और खुशी की कामना करते हैं। यह दर्शाता है कि भक्त भगवान कृष्ण को अपने जीवन में सर्वोत्तम तरीके से सुरक्षित और खुश देखना चाहते हैं।

भगवान कृष्ण की लीलाओं का उत्सव
भजन में भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं और उनके आनंदमय स्वभाव का उल्लेख है। "माखन मिश्री ले आओ", "लड्डू पेड़े ले आओ" जैसी पंक्तियाँ यह दर्शाती हैं कि गोकुलवासी भगवान कृष्ण को माखन, मिश्री और मिठाइयों से प्रेम करते हैं, क्योंकि कृष्ण की लीलाएँ हमेशा आनंद और खुशी से भरी होती हैं। यह भजन भगवान कृष्ण की नटखटता और प्रेममय स्वभाव को अभिव्यक्त करता है।

सामूहिक भक्ति और उत्सव
इस भजन में गोकुलवासियों द्वारा भगवान कृष्ण के स्वागत के लिए सामूहिक रूप से आनंदित होने और भगवान का गान करने की बात की गई है। "कोई ढोल नगाड़े बजाओ रे", "कोई मंगल गाने गाओ रे" जैसी पंक्तियाँ दिखाती हैं कि भक्त भगवान के आगमन की खुशी में एक साथ गा रहे हैं और नृत्य कर रहे हैं। यह सामूहिक उत्सव भगवान के प्रति उनकी भक्ति और प्रेम का प्रतीक है।

मुख्य संदेश :
"फूलों से सजा दो गोकुल को" भजन भगवान श्री कृष्ण के स्वागत के लिए गोकुलवासियों की भावनाओं, श्रद्धा और प्रेम को व्यक्त करता है। यह भजन यह सिखाता है कि भगवान कृष्ण की उपस्थिति जीवन में अपार प्रेम, शांति और आनंद लेकर आती है। भक्तों का उद्देश्य है कि वे भगवान कृष्ण के आगमन के लिए अपनी पूरी श्रद्धा और प्रेम से गोकुल को तैयार करें और

उनकी उपस्थिति से हर कोने में प्रेम और दिव्यता फैल जाए।

यह भजन हमें यह याद दिलाता है कि हम अपने जीवन में भगवान श्री कृष्ण की उपस्थिति का स्वागत करें, उन्हें अपने दिल और घर में स्थान दें, और उनके नाम का जाप करके अपने जीवन को प्रेम, खुशी और शांति से भरें।